

KENDRIYA VIDYALAYA MULLANPUR GARIBDAS

SCHOOL MAGAZINE



SESSION – 2023~24

संदेश



यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय मुल्लांपुर गरीबदास द्वारा सत्र 2023-24 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय मुल्लांपुर गरीबदास का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों की प्रतिभा रूचि और मनोवृत्ति के अनुरूप उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करते हुए उनका चहुमुखी विकास करना है। विद्यालय पत्रिका मौलिक दृष्टिकोण एवं विचारों की अभिव्यक्ति का उत्तम मंच है। विद्यालय पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों की उनके रचनात्मक कौशल एवं नैसर्गिक प्रतिभा को मूर्त रूप देने का सुनहेरा अवसर भी प्रदान करती है।

केंद्रीय विद्यालय मुल्लांपुर गरीबदास की विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन की प्रक्रिया से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों संपादक मंडल एवं प्राचार्य को मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ और आशा करती हूँ की यह विद्यालय पत्रिका सुरुचिपूर्ण पाठन सामग्री के साथ वैचारिक अभिप्रेरण भी प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं सहित

प्रीति सक्सेना,
उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़ संभाग

Message from Chairman's Desk

The school magazine is a document showcasing the growth of the school and acts as a window for the activities of the year. We are proud of the commitment of the Principal & teachers of KV Mullanpur Garibdas to bring out the holistic development of young students & kindness of their minds. It is extremely important that the students, parents & teachers work in a synchronized manner to develop young children & impart knowledge so that they become great scientists & professionals. It is even more important to give them values so that they become responsible & caring citizens. Then only we can boast of developed India in future.

I commend the editorial team of KV Mullanpur Garibdas for the efforts put in to publish the eMagazine 2023-2024. My best wishes are with the Principal, Faculty and the students of KV Mullanpur Garibdas.

Happy Reading

(Wg Cdr Ankur Patial)

Chairman KV Mullanpur Garibdas



प्राचार्य की कलम से

सत्र 2023-24 के लिए इस डिजिटल वार्षिक पत्रिका को प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है जिसमें युवा और नवोदित लेखकों ने नए क्षितिज को छूने और अपने सपनों की दुनिया बनाने की कामना की है। बच्चों ने अपने विचारों को व्यक्त करके रचनात्मकता की अपनी छिपी प्रतिभा को बाहर लाने की कोशिश की है। विद्यालय पत्रिका बौद्धिक विकास और कल्पनाशील रचनात्मकता को उजागर करने का वास्तविक माध्यम है। मैं इस विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र में हमारे बच्चों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने और उनकी सराहना करने के लिए माननीय उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़ संभाग प्रीति सक्सेना के बहुमूल्य मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन का आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस विद्यालय पत्रिका को जारी करने में अपने शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की भी सराहना करता हूं। मैं उन्हें बधाई देता हूं और उनके प्रयासों में सफलता की कामना करता हूं।

जय हिंद।

राकेश कुमार
प्राचार्य

Editorial Team



ABHILASHA KUMARI, PGT Hindi



SUKHDEEP KAUR BAL
PGT English



IQBAL KAUR GILL, TGT Hindi



RENU SHARMA, TGT English



ALKA, PRT



ASHA KIRAN, TGT Sanskrit

Education breeds confidence, Confidence breeds hope. Hope breeds peace

Education is a life-long process. It is to impart knowledge to students. School is one which strives to develop literate and numerate students who harness the power knowledge and technology to become 'self-regulated learners.' Students can do this through learning opportunities which provide them with greater choice of contents, learning methods and pace of study.

A School magazine is one kind of document which contains school's story, articles of the students and teachers, achievements, recognitions etc.

It plays an important role for students. It encourages students to think of themselves, to organize their information into knowledge & to take an active interest in all that is going on around them. So, a school magazine bears a great importance in every education institution & is a part and parcel of student's school life.

वार्षिक प्रतिवेदन

विद्यालय रिपोर्ट विद्यालय के सभी सदस्यों की गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों का दर्पण है। यह तो सभी को पता ही है कि हमारे विद्यालय का बुनियादी ढांचा एक आदर्श ढांचा नहीं है। परंतु सब कमियों के बावजूद विद्यालय के सभी सदस्य, चाहे वे छात्र हों, शिक्षक हों या अन्य कर्मचारी, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। विद्यालय में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इस हेतु विद्यालय में अच्छे वातावरण के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है।

प्राथमिक विभाग में विद्यार्थी केंद्रित क्रियाकलाप आधारित शिक्षा प्रणाली को अपनाया गया है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को सामूहिक क्रियाकलापों में सम्मिलित किया जाता है। विद्यार्थियों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए प्रत्येक परीक्षा के बाद नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन भी किया जाता है। किसी भी संस्था का नाम और प्रतिष्ठा बाहरी और आंतरिक दोनों परीक्षाओं में उसके प्रदर्शन से निर्धारित होता है। यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि सत्र 2022-23 में कक्षा दसवीं और कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं के छात्रा संजू कुमारी ने 91.40 प्रतिशत अंक और कक्षा बारहवीं (वाणिज्य संकाय) की छात्रा चारु ने 84.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह शिक्षकों और छात्रों द्वारा एक साथ किए गए निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है। लेकिन हमारे योग्य चेयरमैन सर की सहायता के बिना यह संभव नहीं हो पाता, जो विद्यालय के हित के लिए काम करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन और सहायता के लिए हम उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

CBSE Result (2022-23)

Class X



SANJU KUMARI
91.40%



ANANNYA VYAS
87.60%



NEETU LATAWA
81.80%

Class XII



CHARU
84.40%



SIMRANJIT KAUR
75.20%



HARANSH
68.20%

संस्कृत विभाग

एषा मम धन्या माता



एषा मम धन्या माता ।
एषा मम धन्या माता॥ ध्रुवपदम्।
या मां प्रातः शय्यातः
जागरयति सम्बोधनतः।
हरस्मरणं या कारयति।
आलस्यं मम नाशयति॥ एषा मम...।

कुरु दत्तं ग्रहकार्यम् त्वम्,
कुरु सुत! पाठभ्यासं त्वम्।
आदेश ददती एवम्
योजयते कार्ये नित्यम्॥ एषा मम...।

मधुरं दुग्धं ददाति या
स्वादु फलं च ददाति या।
यच्छति महान् मिष्टान्नम्
यच्छति महान् लवणत्राम्॥ एषा मम...।

कार्यं सम्यक् न करोमि यदा,
अपराधं विदधामि यदा।
कलहं कुर्वन् रोदिमि यदा
तदा भंशं मां तर्जयति या॥ एषा मम...।

जपलीन कौर
कक्षा - 6

समयस्य सदुपयोगः



समयस्य समुचिते रूपे उपयोगः एव
समयस्य सदुपयोगः कथ्यते। समयस्य
सदुपयोगः मानवसमाजस्य हितसाधकेषु
साधनेषु साधनं वर्तते। संसारे बहूनि
वस्तूनि बहुमूल्यानि सन्ति परं तेषु
सर्वापेक्षया बहुमूल्यं वस्तु समयः एव
वर्तते। यतः अन्यानि वस्तूनि
विनष्टानि अपि पुनः लब्धुं शक्यन्ते
परन्तु व्यतीतः समयः केनापि उपायेन
पुनः लब्धुं न शक्यते। विद्या विनष्टा
पुनः अभ्यासेन लब्धुं शक्यते, धनं
विनष्टं पुनः उपार्जनेन लब्धुं शक्यते,
यशः विनष्टं पुनः सत्कर्मणा उपार्जयितुं
शक्यते परं विनष्टः समयः सहस्त्रैरपि
प्रयत्नैः दुर्लभः एव। अस्माकं भारतीयानां
कृते अयं राष्ट्रनिर्माणस्य कालः वर्तते।
अस्माकं स्कन्धेषु राष्ट्रनिर्माणस्य महान्
भारः वर्तते। अस्मिन् समये तु
विशेषरूपेण अस्माभिः समयस्य
सदुपयोगे ध्यानं दातव्यं येन शीघ्रतया
राष्ट्रस्य समुन्नतिः स्यात्। अस्मिन्
विषये छात्रैः विशेषरूपेण ध्यानं देयम्।
यतः ते एव भारतस्य भाविनः कर्णधाराः
तथा भाग्यविधातारः सन्ति ।

सरप्रीत कौर

कक्षा- 7



वृक्षाः

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति। वृक्षाः पर्णैः पुष्पैः च शोभन्ते। वृक्षाः अस्माकं प्रत्यक्षः अप्रत्यक्षः च जीवनं प्रदानं कुर्वन्ति। वृक्षाः कार्बनडाईऑक्साइड वायोः ग्रहणं कृत्वा ऑक्सीजन जनयन्ति या अस्माकं जीवनाय आवश्यकी। प्रकृत्यै धरायां मानवानां कृते दत्तः सर्वेषु उपहारेषु बहुमुल्यम् उपहारं वर्तते। वृक्षेभ्यः करणात् एव वृष्टिः भवति। तरुः उन्नतः पादपः अस्ति। तरूणाम् रूक्षम् काष्ठकाण्डमस्ति। अनेके तरवः फलानि ददति। अनेकवृक्षाणाम् सङ्घः अरण्यम् इति कथ्यते। तरूणाम् पत्राणि CO2 जलम् च उपयुज्य O2 शर्करां च रचयन्ति। तरवः जनेभ्यः छायां यच्छन्ति। उक्तञ्च “छायामन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे। फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुषाः इव॥”

जिनिषा पाहवा

कक्षा- 6

आयुर्वेदमाध्यमेन आरोग्यता

आयुर्वेदस्य अपरं नाम चिकित्साशास्त्रमित्यपि वर्तते। अतः आयुर्वेदस्य सम्बन्धः आरोग्यतया अस्ति। आयुः अनेन विद्यते लभ्यत इत्यायुर्वेदः। शास्त्रमिदमथर्ववेदान्तर्गतं वर्तते। आयुर्वेदस्य इतिहासः वैदिककालादेव आरभ्यते। अतः पश्चात्सहस्रवर्षेभ्योऽपि प्राचीनोऽयं इतिहासः। विशेषतः क्रिस्तपूर्वचतुर्थशतकादारभ्य क्रिस्तशकस्य ११ शतकपर्यन्तम् आयुर्वेदस्य उत्कृष्टपरम्पराः न केवलं प्रचारे आसन् अपि तु तत्कालीनेषु प्रख्यातेषु नालन्दा, विक्रमशीला, वलभी इत्यादिषु विश्वविद्यालयेषु प्रमुखविषयत्वेन पाठ्यन्ते स्म। भारतीयैः सह विदेशीयच्छात्रा अपि अस्य प्रयोजनं प्राप्तवन्त आसन्। चरकाचार्यविरचिता 'चरकसंहिता', सुश्रुताचार्यप्रणीता 'सुश्रुतसंहिता', वाग्भटग्रथितम्

'अष्टाङ्गहृदयम्', माधवकरस्य 'माधवनिदानम्', शार्ङ्गधरस्य 'शार्ङ्गधरपद्धतिः' इत्यादयः आयुर्वेदस्य प्रमुखग्रन्थाः। चरकसंहितायां ३४१ सस्यजन्यद्रव्याणां, १७७ प्राणिजन्यद्रव्याणां, ६४ खनिजद्रव्याणां च उल्लेखः कृतोऽस्ति। ग्रन्थस्यास्य महत्त्वमभिलक्ष्य अस्य नैकानि व्याख्यानानि रचितानि। चरकसंहितायां ८ स्थानानि सन्ति। मूलतः एषा अग्निवेशेन रचिता संहिता। तत्र चरकमहर्षिणा प्रतिसंस्कारः कृतः। ततः दृढबलनाम्ना अपरेण वैद्येन संपूरणं कृतम्। एवम् अद्य उपलब्धायां चरकसंहितायाम् एषां त्रयाणां कर्तृत्वं विद्यते। कृत्स्नोऽपि आयुर्वेदः अष्टधा विभक्तः। शल्य-शालाक्य-कायचिकित्सा-कौमारभृत्य-अगदतन्त्र-रसायनतन्त्र-वाजीकरणानीति। एवमायुर्वेदस्य व्यापकं स्वरूपं वर्तते। सर्वविधरोगोपशमनाय आयुर्वेदः महान् चिकित्सालयो वर्तते। आरोग्यां च सर्वे वाञ्छन्त्येव। यतोहि शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। अनारोग्ये जीवनमपूर्णमनुभूयते च सम्प्रति कोरोनाकाले। अतः पुरुषार्थचतुष्टयं यदि वयमर्जितुमिच्छामः तर्हि आरोग्यं तु रक्षणीयं सदा। उक्तमपि-

**धर्मार्थकाममोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम्।
रोगास्तस्यापहर्तारः श्रेयसो जीवितस्य च।।**

निधि राणा

कक्षा - 7

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्



1. संस्कृतम् जगतः अतिप्राचीना समृद्धा शास्त्रीया च भाषा वर्तते ।
2. संस्कृतम् भारतस्य जगत च भाषासु प्राचीनतमा स
3. संस्कृता वाक्, भारती सुरभारती अमरभारती अमरवाणी सुरवाणी गीर्वाणवाणी गीर्वाणी, देववाणी, देवभाषा, दैवीवाक् इत्यादिभिः नामभिः एतद्भाषा प्रसिद्धा ।

4. भारतीय भाषासु बाहुल्येन संस्कृतशब्दाः उपयुक्ताः ।
5. संस्कृतात् एव अधिका भारतीयभाषा उद्भूताः ।
6. तावदेव भारत युरोपीय भाषावर्गीयाः - - अनेकाः भाषा संस्कृतप्रभावं संस्कृतशब्दप्राचुर्यं च प्रदर्शयन्ति स
7. व्याकरणेन सुसंस्कृता भाषा जनानां संस्कारप्रदायिनी भवति स
8. अष्टाध्यायी इति नाम्नि महर्षिपाणिनेः विरचना जगतः सर्वासां भाषाणाम् व्याकरणग्रन्थेषु अन्यतमा , वैयाकरणानां भाषाविदां भाषाविज्ञानिनां च प्रेरणास्थानं इवास्ति स
9. संस्कृतवाङ्मयं विश्ववाङ्मये स्वस्य अद्वितीय स्थानम् अलङ्करोति ।
10. वेद शास्त्र, पुराण, इतिहास, काव्य, नाटक, दर्शनादिभिः
अनन्तवाङ्गयरूपेण विलसन्ती अस्ति एषा देववाक् ।
11. न केवलं धर्म, अर्थ, काम, मोक्षात्मकाः चतुर्विधपुरुषार्थहेतु भूताः विषयाः
अस्याः साहित्यस्य शोभां वर्धयन्ति अपितु धार्मिक, नैतिक आध्यात्मिक,
लौकिक, पारलौकिकविषयैः अपि सुसम्पन्ना इयं देववाणी ।
12. संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतम भाषा अस्ति स

वंशिका गुप्ता

कक्षा- 8



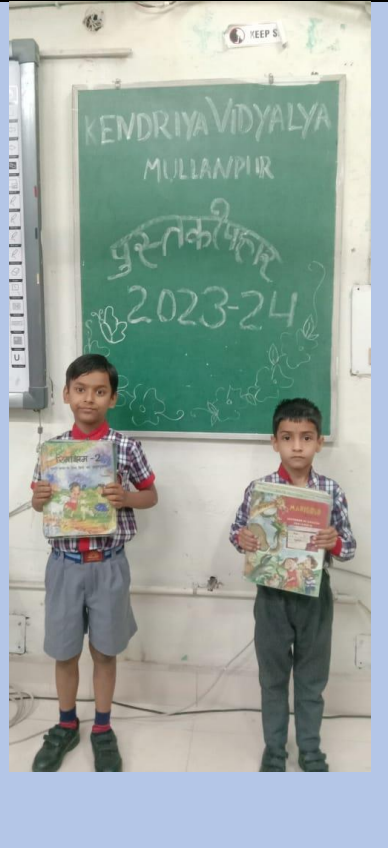
योगः

योग विद्या भारत वर्षस्य अमूल्यनिधिः । पुराकालादेव अविच्छिन्नरूपेण गुरुपरम्परापूर्वकं प्रचलिताऽऽसीत् गुरुपरम्परेयम् । वस्तुतः ऋषिमुनियोगिनामध्यवसायजनितं साधनालब्धं अन्तर्जगतो महत्त्वपूर्णमन्तर्विज्ञान भवति तथा । अनेन योगसमाधिना ऋषयो मन्त्रान् द्रष्टुं समर्था आसन् श्रीमद्भगवद्गीतायां योगस्य द्विविधत्वं वर्णितं श्रीकृष्णेन । यथा – ज्ञानयोगः, कर्मयोगश्च । परम्परानिरपेक्षं मोक्षसाधनत्वेन कर्मज्ञानयोगरूपं निष्ठाद्वयमुक्तम् । योगदर्शनानुसारेण योगस्य अष्टौ अङ्गानि सन्ति । तदुक्तं योगदर्शने यम्- नियम- आसन- प्राणायाम-प्रत्याहार – धारण – ध्यान – समाधयोऽष्टाङ्गानि – इति । एतेषां वहिरङ्गान्तरङ्गभेदेन द्विविधत्वं कल्प्यते । एषु यम- नियम – आसन – प्राणायाम – प्रत्याहरादीनि पञ्चाङ्गानि वहिरङ्गानि सन्ति । धारणा – ध्यान – समाधीति त्रीणि अन्तरङ्गाणि भवन्ति । यतो हि एतेषामन्तः करणेन साकमेव सम्बन्धो विद्यते । अतः एतेषामन्तरङ्गत्वम् । महर्षिणा पतञ्जलिना त्रयाणां कृते संयमः इत्युच्यते । तद्यथा – त्रयमेकत्र संयमः । अष्टाङ्गयोगद्वारा प्रमाण- विपर्यय- विकल्प निद्रा – स्मृत्यादिपञ्चप्रवृत्तीनां निरोधं कृत्वा योगसमाधौ प्रविशति योगी । कर्मफलमनपेक्षमाणः सन् अवश्यं कार्यतया विहितं कर्म यः करोति स एव योगी भवति । इन्द्रियभोगेषु तत्साधनेषु च कर्मसु यदा आसक्तिं न करोति, सर्वान् भोगविषयान् परित्यजति तदा स योगारूढं उच्यते । स एकान्ते स्थितः सन् सङ्गशून्यो भूत्वा मनः वशीकृत्य आशां परिग्रहञ्च परित्यज्य सततमात्मानं समाहितां कुर्यात् । तत्रासनमुपविश्य एकाग्रं विक्षेपरहितं मनः कृत्वा योगमथ्यसेत् । यस्य आहारः विहारश्च नियमितः, सर्वेषु कर्मसु यस्य चेष्टा नियमिता, यस्य शयनः जागरणञ्च नियमितं तस्य दुःखनिवर्तको योगो सिध् ।

मुस्तबशिरा

कक्षा - 9

पुस्तकोपहार



Mini Sports Festival



संस्कृत सप्ताह



Yoga Day



Independence Day



National Sports Day



English Section

TREES LIKE HEAVEN

I think that I shall never see
A poem lovely as a tree
A tree whose hungry mouth is prest
Against the earth's sweet flowing breast
A tree that looks at God all day
And lifts her leafy arms to pray
A tree that may in Summer
Where a nest of robins in her hair
Upon whose bosom snow has lane
Who intimately lives with rain
Trees write these letters
When our world turns cold
When hope seems lost
When they long to hold
Memories of autumn
Glittering.

Neha
Class IX

ENVIRONMENT

Search for a solution
To stop pollution
Make our environment
Healthy, clean and green
Plant more trees
To make the earth pollution free
Let's make our earth the best
By polluting less and less
We can not live without the environment
So, we should always
Take care of the environment
Never pollute the environment
Always save the environment.

Bhakti Sharma
Class VIII

DREAM VARIATIONS

To fling my arms wide
In some place of the sun
To whirl and to dance
Till the white day is done
Then rest at cool evening
Beneath a tall tree
While night comes on gently
Dark like me-
That is my dream!
To fling my arms wide
In the face of the sun,
Dance! Whirl! Whirl!
Till the quick day is done.
Rest at pale evening...
A tall, slim tree...
Night coming tenderly
Black like me.

Nidhi
Class VII

Open a book

Open a book
And you will find
People and places of every kind
Open a book
And you can be
Anything you want to be
Open a book
And you can share
Wonderous words you find in there
Open a book
And I will too
You read you reach to me
And I will read to you

Arshdeep Kaur
Class 8

Riddles

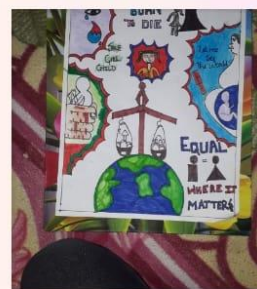
1. I am red and round
on a tree I am found
I am juicy and sweet
for you to eat???
 2. It's a type of berry
Red, purple or green
It's little and round
Can be small as a bean???
 3. I have a neck,
but face I have none
I have two arms
but hands I have none
what am I???
 4. Remove the outside
Cook the inside, eat the
Outside, throw away the
Inside. What is it???
 5. When things go wrong
What can you always
count on???
 6. You can break me
Easily without even
Touching me or
Seeing me.
What am I ???
 7. What occurs once in
A minute, twice in a
Moment and never in
1000 years???
1. Apple 2. Grapes 3. Sweater 4. Corn 5. Your fingers 6. A promise 7. The letter m

Nidhi
Class 7

Save Girl Child

The existence of human life on earth is impossible without the equal participation of both men and women. It's a common factor in India where people abort or kill the girl child on birth. They should be saved and given an equal opportunity and respect. In India everyone wants an ideal mother, sister and wife but nobody wants a daughter. Although girls have outshined in many fields. Due to the hard work and dedication they have been into the space also. They are more talented, obedient, hardworking and responsible. In order to save the girl child, the government has taken many initiatives and launched many campaigns. A girl child deserves a life where she is treated as equal. She has proved her participation in development and growth of the nation. She deserves love and respect. She deserves LIFE!!

Vanshika Gupta
Class 8



स्वच्छता पखवाड़ा



Teachers Day



Skill Education (Bagless Day)



Bagless day Activity
Block Printing
class vii







Grandparents Day



Scouts and Guides Activities



Primary Section Activities



हिंदी विभाग

मेरी माँ का आँचल

तेज धूप से मुझे बचाता
बन जाता टोपी या छाता
मेरी माँ का आँचल

भरी ठंड गोदी में दुबकू
दे गर्माहट मुझे सुलाता
मेरी माँ का आँचल

पापा आते मुझे ढूँढने
मुझे छिपाता उन्हें छकाता
मेरी माँ का आँचल

चने मूंगफली रखो चाहे
झोली बनकर है लिपटाता
मेरी माँ का आँचल

मैं रोऊँ तो आंसू पौछे
कभी नैपकिन बन जाता है
मेरी माँ का आँचल

चाहे सारी दुनिया रूठे
पल पल मेरा साथ निभाता
मेरी माँ का आँचल

रहूँ कही भी नेह दिखाता
मुझे लुभाता पास बुलाता
मेरी माँ का आँचल

मैं तो चाहूँ जीवन भर ही
रहे सदा घर में लहराता
मेरी माँ का आँचल

जल संरक्षण

धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है क्योंकि बिना जल के जीवन संभव नहीं है। पूरे ब्रह्माण्ड में एक अपवाद के रूप में धरती पर जीवन चक्र को जारी रखने में जल मदद करता है क्योंकि धरती इकलौता अकेला ऐसा ग्रह है जहाँ पानी और जीवन मौजूद है।

जल का संरक्षण

पानी की जरूरत हमारे जीवन भर है इसलिये इसको बचाने के लिये केवल हम ही जिम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र के संचालन के अनुसार, ऐसा पाया गया है कि राजस्थान में लड़कियाँ स्कूल नहीं जाती हैं क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है जो उनके पूरे दिन को खराब कर देती है इसलिये उन्हें किसी और काम के लिये समय नहीं मिलता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड्स ब्यूरो के सर्वेक्षण के अनुसार, ये रिकार्ड किया गया है कि लगभग 16,632 किसान (2,369 महिलाएँ) आत्महत्या के द्वारा अपने जीवन को समाप्त कर चुके हैं, हालांकि, 14.4% मामले सूखे के कारण घटित हुए हैं। इसलिये हम कह सकते हैं कि भारत और दूसरे विकासशील देशों में अशिक्षा, आत्महत्या, लड़ाई और दूसरे सामाजिक मुद्दों का कारण भी पानी की कमी है। पानी की कमी वाले ऐसे क्षेत्रों में, भविष्य पीढ़ी के बच्चे अपने मूल शिक्षा के अधिकार और खुशी से जीने के अधिकार को प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

मानव

पर्यावरण में आग लगी

पर्यावरण में आग लगी, धुआँ निकला शहर शहर
अभी थोड़ा और फूंकना, अखबार में छपी खबर

खबर मानव होके बेरहम, खुद पे चला रहा कुल्हाड़ी
जंगल खेत साफ करके इठला रहा जी अनाड़ी

अनाड़ी की गाडी भी फूँके दिन रात नेचर
कारखाने कंस्ट्रक्शन जैसे जुड़े साथ में फीचर

फीचर सारे हिला रहे प्रकृति का अंग अंग
सारे आलम में चढ़ बैठा प्रदूषण का रंग

रंग है यह काला, अंधेर इसके दरवाजे
लेके बीमारियां सैकड़ों मौत दहलीज पे विराजे

विराजे प्रदूषित जीवन, सांस सांस में राख
हो जाये शरीर सारा, लगे इसी में खाक

खाक हो रहा पल पल स्वस्थ तन और मन
प्रदूषण में जीना मरना देख रहा जन जन

जन जन की आँखों में लगा है पर्दा बेजोड़
मानो प्रदूषित करने की लगी हुई है होड़

होड़ में बेतहाशा आतिशबाजी, डी जे साउंड लाजवाब
शांत स्वच्छ वातावरण के मिलकर देखिये कोरे ख्वाब

ख्वाब सजा रहे विनाशक जो ज्यादा शिक्षित और अमीर
मजे मजे में बहा रहे प्रकृति के नयनों से नीर

नीर साफ था, हवा शुद्ध थी, धरती थी उपजाऊ कभी
प्रदूषण रोकने की बात लगेगी आपको शोर अभी

Lavish Kumar

Class 12

स्वच्छ भारत अभियान

" स्वच्छ भारत अभियान " नहीं ,
यह प्रगति पथ की सीढ़ी है
देश हमारा स्वच्छ रहे ,
जागरूक हुई नई पीढ़ी है I

सोच और परिवेश भी बदला ,
आवश्यक आदत बदले
इस मूलभूत दिनचर्या को ,
चलो अपनाए सबसे पहले I

आस - पास जब स्वच्छ रहे ,
तभी स्वस्थ रहेगा यह तन - मन
मनमोहक वातावरण रहे ,
आनंदित गुजरेगा जीवन I

हैं जीवाणु कोई रोगों के ,
लहराते इन्हीं फिजाओं में
दम भर - भर सांस हम लेते ,
इन दूषित हुई हवाओं में I

बीमार घर जब होंगे ,
बीमार पड़ेगी बस्ती भी
संपत्ति होती है सेहत ,
फिर लाख दवा हो सस्ती भी I

हम स्वच्छ बनाएं घर अपना ,
हर गली - मोहल्ला निर्मल हो
घर , शहर , देश सब स्वच्छ रहे ,
और स्वच्छ हमारा भूतल हो I

नाम - अंजलि शर्मा

कक्षा - 12वीं

कविता - प्रेरणा

क्या खोजतेहो दुनि या में ,
जब सब कुछ तेरेअन्दर है।
क्यों देखतेहो औरों में
जब तेरा मन ही दर्पण है।
दुनि या बस एक दौड़ नहीं,
तूभी अश्व नहींहैधावक ।
रुक कर खुद सेबातेंकरले,
अन्तर मन को शान्त तो करले।
सपनों की गहराई समझो,
अपनेअन्दर की अच्छाई समझो।
स्वाध्याय की आदत डालो,
जीवन को तुम खुलकर जीलो ।
आलस्य तुम्हारा दुश्मन हैतो,
पुरुशार्थ को अपना दोस्त बनालो।
जीवन का येरहस्य समझलो,
और खुशीयों सेतुम नाता जोड़ो।

प्रदूषण: प्राकृतिक संसाधनों की हिन्दी में हानि

प्रदूषण एक ऐसी समस्या है जो हमारे पास उपयोग के लिए अनमोल प्राकृतिक संसाधनों को कमजोर बना रही है। यह समस्या केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि हमारे आसपास की प्राकृतिक वातावरण को भी प्रभावित कर रही है। इस लेख में, हम प्रदूषण के प्रकार, कारण, प्रभाव और इसको कम करने के तरीके पर चर्चा करेंगे।

प्रदूषण क्या है?

प्रदूषण एक प्राकृतिक संसाधन को अशुद्ध करने वाले या उसकी स्वस्थता को प्रभावित करने वाले वायु, जल, और भूमि में मिले अनैतिक या खराब तत्वों का प्रवाह होता है। प्रदूषण के मुख्य स्रोतों में वाहनों का धुआं, औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले धुआं और कचरे का बेहद अनवांछित तरीके से प्रकट होना शामिल है।

प्रदूषण के प्रकार

वायुप्रदूषण: वाहनों, औद्योगिक कारखानों, और ऊर्जा उत्पादन के कारण होने वाला वायु प्रदूषण हमारे आकाश को अशुद्ध करता है और हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

जल प्रदूषण: निकले जल से विभिन्न प्रकार के प्रदूषक जल को प्रदूषित करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप सभी जीवों के लिए खतरनाक हो सकता है।

भूमि प्रदूषण: अशुद्ध कचरे का बेहद तरीके से प्रकट होना भूमि प्रदूषण के उदाहरण हो सकता है। इससे मृदा और पौधों को हानि पहुंचती है।

प्रदूषण के प्रभाव

स्वास्थ्य प्रभाव: वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, श्वास कठिनाइयाँ, और फेफड़ों की बीमारियाँ बढ़ती हैं। प्राकृतिक संसाधनों का क्षति: प्रदूषण के कारण जल, वनस्पतियाँ, और वनों का क्षति होता है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा पर सवाल उठता है।

जलवायु परिवर्तन: प्रदूषण जलवायु परिवर्तन को तेजी से बढ़ावा देता है, जिसके परिणाम स्वरूप आबादी के साथ आने वाली परिस्थितियों में बदलाव हो रहा है।

प्रदूषण कम करने के उपाय

वायुप्रदूषण कम करें: प्राचीन और प्रदूषण मुक्त परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दें, जैसे कि साइकिल, जलयान, और सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करें।

जल प्रदूषण कम करें: जल का सही ढंग से प्रबंधन करें और अशुद्ध पानी को साफ करने के उपायों का अनुसरण करें।

कचरे का सही तरीके से निपटारा: सफाई कर्मियों की मदद करें, कचरे को विभाजित करें और उसका पुनर्चक्रण करने के लिए प्रयासरत रहें।

प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में हम सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। हमें अपने कार्यों को सावधानी पूर्वक करने की आवश्यकता है ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रख सकें।

सूरज नेगी

कक्षा 12

समय प्रबंधन

- 1) समय प्रबंधन समय की योजना बनाने और व्यवस्थित करने का एक तरीका है ताकि अधिकांश कार्य किए जा सकें।
- 2) अच्छा समय प्रबंधन आपको अधिक मेहनत करने के बजाय होशियारी से काम करने में सक्षम बनाता है।
- 3) समय का प्रबंधन करने से हमें एक कार्यक्रम निर्धारित करने और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचने में मदद मिलती है।
- 4) समय प्रबंधन से उत्पादकता बढ़ेगी और समय की बचत होगी।
- 5) यदि हम अपने समय का प्रबंधन अच्छे से कर लें तो हम शारीरिक और मानसिक तनाव से बच सकते हैं।
- 6) यह आपको भविष्य में अधिक रचनात्मक, खुश और सफल होने में मदद करेगा।
- 7) प्रभावी ढंग से समय का प्रबंधन करके, व्यक्ति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों पर अधिक नियंत्रण रख सकता है।
- 8) समय प्रबंधन हमें अपना आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है।
- 9) उचित समय प्रबंधन सभी उम्र के लोगों के लिए आवश्यक है।
- 10) लोगों को शुरुआत से ही उचित समय प्रबंधन को अपनाना चाहिए। अधिकांश कार्य किए जा सकें।

शरान्प्रीत

कक्षा 12

G 20 इंडिया

जी20 (G20) विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण संगठन है, जिसमें 20 बड़े और प्रमुख देश शामिल हैं, जो विश्व की आर्थिक परिस्थितियों को सुधारने और साझा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। इसमें भारत भी शामिल है, और इसके सदस्य देश आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर गहरा विचार करते हैं।

भारत जी20 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां पर बाकी सदस्यों के साथ भी भारत की योगदान के बारे में विचार किया जाता है, जैसे कि विश्व व्यापार, आर्थिक सुधार, और गरीबी के खिलाफ कदम उठाने में।

भारत जी20 के माध्यम से अपनी आर्थिक प्राधिकृति और विकास की दिशा में योजनाएं बनाता है और अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करता है। यह संगठन भारत को अन्य महत्वपूर्ण देशों के साथ साझा बैठकर विश्व आर्थिक समस्याओं का समाधान ढूंढने में मदद करता है।

इसके अलावा, भारत जी20 के माध्यम से विश्व के अन्य देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूती से बढ़ावा देता है और अपने वित्तीय नीतियों को सुधारने का प्रयास करता है।

भारत जी20 के सदस्य देश के रूप में अपनी गर्मी, उद्यमिता, और आर्थिक योजनाओं के साथ गर्वित है, और यह सुनिश्चित करता है कि विश्व की आर्थिक परिस्थितियों में सुधार होने की दिशा में अपना योगदान देता है।



वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

Excursion



भारतीय भाषा उत्सव



Annual Sports Day



Republic Day





KENDRIYA VIDYALAYA MULLANPUR GARIBDAS



अ आ ः
A B ः
अ आ ः
अ अ ः

